केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

23 जनवरी 2026

शुक्रवार

सदर अस्पताल की घटना से उबाल : डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर जिलेभर में ओपीडी ठप, मरीज बेहाल 2

एक नजर

बंगाल की नदी में डूबा बांग्लादेशी जहाज

परगना। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में बुधवार को मुरी गंगा नदी में एक बांग्लादेशी मालवाहक जहाज डूब गया। जहाज पर फंसे चालक दल के सभी 12 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। जहाज पड़ोसी देश बांग्लादेश जा रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, खुलना का एमवी तमजीद नाम का यह जहाज दक्षिण 24 परगना के बज बज से फ्लाई ऐश लेकर बांग्लादेश जा रहा था। मुरी गंगा नदी पार करते समय यह जहाज कथित तौर पर पानी के नीचे एक रेत के टीले से टकरा गया। इस टक्कर की वजह से जहाज के बीच के हिस्से में एक बड़ा छेद हो गया। जिसके बाद तेजी से पानी अंदर भरने लगा। चालक दल के सभी सदस्य जहाज पर ही फंस गए। डूबते हुए जहाज को देखकर स्थानीय मछुआरों ने तुरंत इसकी सूचना सागर पुलिस स्टेशन को दी। खबर मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची।

इंडिगो की उड़ानों में भारी गड़बड़ी के बाद सरकार सख्त

नई दिल्ली। पिछले साल दिसंबर में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में भारी अव्यवस्था देखने को मिली थी। 3 से 5 दिसंबर के बीच इंडिगो ने 2,507 उड़ानें रद्द कर दी थीं और 1,852 उड़ानें देर से चलीं, जिससे देशभर के हवाई अड्डों पर 3 लाख से ज्यादा यात्री परेशान हुए। इस बड़ी गड़बड़ी के बाद अब नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सख्त कदम उठाते हुए इंडिगो के विंटर शेड्यूल में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी। इसको ऐसे समझा जा सकता है कि इंडिगो को कई समय-स्लॉट्स (उड़ान के तय समय) पर उड़ानें बंद करनी पड़ीं। गुरुवार को सरकार ने दूसरी एयरलाइनों से कहा कि वे इंडिगो द्वारा छोड़े गए इन स्लॉट्स के लिए अपनी इच्छा और मांग बताएं। नागर विमानन मंत्रालय ने बताया कि इंडिगो के खाली स्लॉट्स के बंटवारे के लिए बनी समिति की पहली बैठक 13 जनवरी को हुई थी, जिसमें नियम और प्रक्रिया पर चर्चा हुई।

गरीबों से काम का अधिकार छीनना चाहती है भाजपा : राहुल गांधी

- भाजपा मनरेगा योजना को चाहती है खत्म करना, गरीबों को नहीं मिले रोजगार
- भाजपा एक ऐसा भारत बनाना चाहती है, जहां सिर्फ एक राजा ही सब कुछ तय करे

एजंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा है। मनरेगा बचाओ मोर्चा अभियान में उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत गरीब लोगों को काम करने का अधिकार मिला था, लेकिन अब भाजपा इस योजना को खत्म करना चाहती है। राहुल गांधी ने मनरेगा के मुद्दे पर सरकार की तुलना कृषि कानूनों से की। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह गरीबों के काम के अधिकार यानी मनरेगा को खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के साथ वैसा ही व्यवहार कर रही है जैसा किसानों के साथ किया था। राहुल ने कहा कि भाजपा देश में राजा का शासन चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के साथ वही करना चाहती है, जो उसने तीन काले कृषि कानूनों के जरिए किसानों के साथ किया था। उन्होंने कहा कुछ साल पहले भाजपा ने किसानों पर आक्रमण किया था, लेकिन किसानों और हम सबने नरेंद्र मोदी पर दबाव

राहुल गांधी ने किया दावा

दिल्ली की केंद्र सरकार निर्णय लेगी कि किस राज्य को कितना पैसा भेजा जाएगा। भाजपा शासित राज्य में ज्यादा पैसा जाएगा और विपक्ष शासित राज्य में कम पैसा जाएगा।केंद्र सरकार ही तय करेगी कि कब कहां काम होगा, किसको कितनी मजदूरी मिलेगी। जो अधिकार मजदूरों को मिलते थे, अब वह ठेकेदारों को मिलेंगे।भाजपा की विचारधारा है कि देश का धन, संपत्ति चुने हुए हाथों में हो और वही लोग इस देश को चलाएं।भाजपा चाहती है कि देश का पूरा धन अमीरों के हाथ में चला जाए, ताकि गरीब, दलित और आदिवासी लोग उनपर निर्भर हो जाएं और उनकी बात मानें।

राहुल बोले भाजपा डरपोक

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगे कहा कि भाजपा चाहती है कि देश से लोकतंत्र, संविधान और एक व्यक्ति-एक वोट का अवधारणा खत्म हो जाए। ये लोग आजादी से पहले वाला हिंदुस्तान फिर से लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा भाजपा वाले डरपोक लोग हैं, इन्हें रोकने के लिए हमें एक साथ खड़ा होना होगा। जिस दिन हम सभी साथ आ गए, उस दिन नरेंद्र मोदी को पीछे हटना पड़ेगा और मनरेगा फिर से बहाल हो जाएगा।

विकास की राह में रोड़ा बन रही मोदी सरकार

पंचायतों ने खुद अपने विकास और समृद्धि के लिए निर्णय लिए और काम किया, लेकिन अब मोदी सरकार इस पूरी प्रक्रिया को ध्वस्त कर रही है। मनरेगा से जुड़े लोग देश के हर कोने से आ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ये लोग अपने संघर्ष की कहानी और आगे की रणनीति हमारे साथ साझा करेंगे। इस कार्यक्रम में आने वाले लोग अपने मनरेगा कार्यस्थल से एक मुट्ठी मिट्टी लाएंगे। इसके बाद, इन सभी मिट्टियों को एकत्र कर संघर्ष का एक सामूहिक संदेश दिया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर वायुसेना का सिंदूर वाला प्लान

आसमान में राफेल-मिग-29 समेत विमान बनाएंगे खास

एजंसी। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार भारतीय वायुसेना का फ्लाईपास्ट बेहद खास होने जा रहा है। वायु सेना के फ्लाईपास्ट में राफेल, सू-30, जगुआर और मिग-29 लड़ाकू विमान एक विशेष फार्मेशन 'सिंदूर' प्रदर्शित करेंगे। फ्लाईपास्ट में 29 विमान शामिल होंगे, जिनमें चार परिवहन विमान और नौ हेलीकाप्टर हैं। इन विमानों द्वारा सिंदूर, ध्वज, प्रहार, गरुड़, अर्जन, वरुण और वज्रंग सहित विभिन्न फार्मेशन प्रदर्शित किए जाएंगे। 'सिंदूर' फार्मेशन उड़ान में दो राफेल जेट, दो मिग-29, दो सू-30 और एक जगुआर विमान शामिल होंगे। ये सभी लड़ाकू विमान सिंदूर अभियान का हिस्सा थे। उड़ान में शामिल होने वाले अन्य विमान उन्नत हल्के हेलीकाप्टर (एएलएच), अपाचे हेलीकाप्टर, नौसेना के पी8आइ समुद्री निगरानी विमान और एमआइ-17 हेलीकाप्टर हैं। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकी बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए गए। भारत सोमवार को अपना 77वां गणतंत्र दिवस अपनी सैन्य शक्ति के भव्य प्रदर्शन के साथ मनाएगा, जिसमें विशिष्ट परेड टुकड़ियां, मिसाइलें और स्वदेशी हथियार प्रणालियां शामिल होंगी।

हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर स्थित खन्नी टॉप के पास हुआ

डोडा में सेना की गाड़ी 200 फुट गहरी खाई में गिरी, 10 जवान शहीद

- सेना का वाहन सड़क से फिसलकर एक खाई में गिर गया

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू और कश्मीर के डोडा में गुरुवार को एक सड़क हादसे में सेना के दस जवान शहीद हो गए और दस अन्य घायल हो गए. बताया जा रहा है कि सेना का वाहन सड़क से फिसलकर एक खाई में गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि बुलेटप्रूफ सेना का वाहन, एक कैस्पर, एक ऑपरेशन के लिए जा रहा था, तभी वह खन्नी टॉप पर भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट सड़क से उतरकर खाई में गिर गया। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से बहुत दुख हुआ। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्होंने आगे कहा कि इस गहरे दुख की घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। 11 घायल सैनिकों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने सीनियर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि घायलों को बेहतरीन इलाज मिले. सभी घायल जवानों को बेहतर इलाजद के लिए एयरलिफ्ट किया गया है।

लगभग 9,000 फुट ऊंचाई पर हुआ हादसा

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर लगभग 9,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप के पास उस समय हुआ, जब सेना के बुलेटप्रूफ वाहन के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और यह 200 फुट गहरी खाई में जा गिरा। अधिकारियों के मुताबिक, वाहन में सवार जवान ऊंचाई पर स्थित एक चैकी की ओर जा रहे थे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह कहा कि अभी-अभी डोडा के डीसी हरविंदर सिंह से बात की. भदरवाह-चंबा रोड पर आर्मी की गाड़ी के दुखद हादसे के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ, जिसमें 10 जवानों की जान चली गई और 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें कमांड हॉस्पिटल उधमपुर में भर्ती कराया गया है। कमांड हॉस्पिटल के इंचार्ज मेजर जनरल (डॉ.) संजय शर्मा से भी बात की, जो मुझे रेगुलर अपडेट दे रहे हैं। हर संभव मेडिकल मदद दी जा रही है. हमारे बहादुर जवानों के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

जवान हुए शहीद

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को हुए हादसे में भारतीय सेना के 10 जवानों की जान चली गई जबकि 11 घायल हो गए। हादसा भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। जान गंवाने वाले जवानों के नाम जोबन जीत, सुधेर नरवाल, मोनू, मोहित, एचआर कंवर, सिमरन, पी लोरा, सुलिंदर, अजय लोफरा और स्वर्ण नाग पाल शामील है। वहीं घायलों में साहिल, जेपी सिंह, नीरज, अनूप, नागिस, अमन, शंकर, संदीप, जोबनप्रीत, राकेश और अभिमन्यु के रूप में हुई है। सभी घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

शराब घोटाले में बरी नहीं हुए केजरीवाल, चालू रहेगा केस

एजंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के कथित शराब घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय के सम्मन पर पेश न होने के मामले में दाखिल वाद में अदालत ने अरविंद केजरीवाल को बरी कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने इसे 'सत्य की जीत' बताया है। लेकिन भाजपा ने कहा है कि अदालत ने अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाले में बरी नहीं किया है। उन्हें केवल जांच एजेंसी के सामने पेश न होने के मामले से बरी किया गया है। यह केस चलता रहेगा। इस मामले में अरविंद केजरीवाल को जेल भी जाना पड़ा था। अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली में

2021-22 में एक शराब नीति बनाई गई थी। आम आदमी पार्टी ने इसे बेहतर शराब नीति बताया था, लेकिन भाजपा ने इसका यह कहते हुए विरोध किया था कि इस मामले में भारी भ्रष्टाचार किया गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 20 जुलाई 2022 को सीबीआई को एक शिकायत कर इस शराब नीति में गड़बड़ी होने का आरोप लगाया था। उन्होंने इस मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। इसके बाद सीबीआई ने इस मामले में 17 अगस्त 2022 को एक केस दर्ज किया था। इसी मामले की जांच करते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल से पूछताछ के लिए लगातार पांच बार सम्मन भेजा था, लेकिन जांच एजेंसी के द्वारा बार-बार सम्मन दिए जाने के बाद भी वे पेश नहीं हुए थे। एजेंसी ने केजरीवाल के पेश न होने पर अदालत में वाद दायर करा दिया था। अदालत ने आज इसी मामले में केजरीवाल को बरी किया है।

झारखंड में 1 करोड़ का इनामी नक्सली अनल ढेर

एजेंसी/ चाईबासा

झारखंड के चाईबासा जिले के कुख्यात सारंडा जंगल एक बार फिर गोलियों की गूंज से दहल उठे। गुरुवार को नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों और नक्सली संगठन के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल सहित 9 से 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। यह मुठभेड़ छोटानागरा थाना क्षेत्र के घने और दुर्गम जंगलों में हुई, जहां लंबे समय से नक्सलियों की सक्रिय मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिल रही थी। सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को इनपुट मिला था कि सारंडा के अंदरूनी इलाकों में शीर्ष नक्सली कमांडरों की मूवमेंट है। इसी के आधार पर कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार देर रात से ही इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। जैसे ही सुरक्षाबल नक्सलियों के ठिकाने के करीब पहुंचे, खुद को घिरता देख नक्सलियों ने अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। घने जंगल और पहाड़ी इलाके की वजह से मुठभेड़ बेहद चुनौतीपूर्ण रही। नक्सलियों ने ऊंचे स्थानों से फायरिंग कर सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन जवानों ने रणनीतिक तरीके से मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक भारी गोलीबारी होती रही, जिससे पूरे जंगल क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

रिहायशी इलाके में वर्षों से चल रहा है पटाखा निर्माण व भंडारण का खेल

- पुलिस व प्रशासन के पास नहीं है रिकार्ड, तंग गलियों व घनी आबादी के बीच अवैध तरीके से पटाखा निर्माण व भंडारण से उठ रहे है सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल व आस पास के क्षेत्र में अवैध तरीके से पटाखा निर्माण व भंडारण का खेल वर्षों से चल रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन व पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लग पाती है। जब कही भी पटाखा के भंडारण व फैक्ट्री में विस्फोट होता है, तब यह खबर न सिर्फ सुर्खियां बनती है, बल्कि प्रशासन का ध्यान भी इस ओर आकृष्ट होता है तथा पूरे नेटवर्क को खंगालने के बजाय प्रशासन सिर्फ विस्फोट से संबंधित लोगों पर एफआईआर कर ही अपनी जिम्मेवारी पूरी कर लेता है। डुमरांव के झगरू लोहार की गली में बुधवार को हुई घटना के अलावे आस पास के क्षेत्रों में कई बार अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की घटना सामने आ चुकी है, जिसमें नया भोजपुर व पुराना भोजपुर में तो पटाखा निर्माण के दौरान हुए भीषण विस्फोट में एक-एक व्यक्तियों की जान चली गई थी, जबकि उनका पूरा मकान ही ध्वस्त हो गया था। अब जबकि डुमरांव में पटाखा निर्माण वाले घर में विस्फोट के बाद एक बार फिर से लोगों में पटाखा के अवैध निर्माण व भंडारण के खेल पर चर्चा शुरू हो गई है। जानकारों का कहना है कि डुमरांव के कई रिहायशी इलाकों में वर्षों से अवैध तरीके से न सिर्फ पटाखा का निर्माण किया जाता है, बल्कि बड़े पैमाने पर भंडारण भी किया जाता है। ऐसे में कभी थोड़ी सी लापरवाही या निर्माण में अनियमितता से विस्फोट जैसी घटनाएं हो जाती है। जानकारों का कहना है कि प्रशासन व पुलिस के पास इसकी सूची तक नहीं है कि कहां-कहां अवैध तरीके से पटाखे का निर्माण हो रहा है या फिर कौन-कौने लोग इससे जुड़े है। जिससे उनपर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। डुमरांव की घटना के बाद अब देखना है कि क्या प्रशासन इस बार अवैध तरीके से विस्फोटकों का कारोबार करने वालों पर सख्त कार्रवाई होती है या फिर इस बार भी मामला सिर्फ एक व्यक्ति तक सीमित रह जाएगा।

बड़ा सवाल, पटाखा निर्माण के लिए कहा से मिलता है रा मेटेरियल

इस घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे है। सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर अवैध तरीके से पटाखा निर्माण के लिए रा-मेटेरियल कैसे मिल जाता है, जबकि पटाखा निर्माण में उपयोग आने वाले शोरा तथा अन्य पदार्थ की बिक्री पर रोक है तथा इसके लिए लाइसेंस अनिवार्य है। लेकिन, जानकारों का कहना है कि शहर तथा आस पास के क्षेत्र में शोरा, गंधक, नौसादर जैसे पदार्थ आसानी से मिल जाते है, जिस कारण अवैध कारोबार करने वालों का कारोबार फल-फूल रहा है। पिछले दिनों डुमरांव के एक दुकान पर हुई छापेमारी में बड़े पैमाने पर पटाखा निर्माण के लिए काम आने वाले शोरा आदि बरामद हुआ था। जिससे यहा प्रमाणित हो रहा है कि पटाखा निर्माण का मेटेरियल शहर में आसानी से मिल जा रहा है।

एक नजर

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट : थानाध्यक्ष के बयान पर जख्मी के विरूद्ध दर्ज हुआ एफआईआर, तफ्तीश तेज

डुमरांव। डुमरांव के झगरू लोहार की गली स्थित एक मकान में अवैध तरीके से संचालित हो रहे पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की घटना को पुलिस-प्रशासन ने काफी गंभीरता से लिया है। इस मामले में डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के बयान पर मुख्तार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस की तफ्तीश तेज हो गई है। वहीं, इस घटना में जख्मी मुख्तार रंगरेजा की हालत गंभीर बनी हुई है। उसके परिजन पटना के किसी अस्पताल में उसका इलाज करा रहे है। बता दें कि बुधवार की शाम मुख्तार के घर में अवैध तरीके से संचालित पटाखा फैक्ट्री में किसी कारणवस आग लग गई थी, इस दौरान विस्फोट भी हुआ था, जिसमें मुख्तार गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। घटना की जटिलता को देखते हुए पुलिस ने इसकी गुत्थी सुलझाने तथा विस्फोटक के किस्म व उसकी क्षमता का पता लगाने के लिए एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया था।

उच्च क्षमता वाले नहीं थे पटाखे : हालांकि, स्थानीय सूत्रों की माने तो इस मामले में किसी उच्च क्षमता के विस्फोटक का उपयोग नहीं हुआ है, बल्कि शादी-विवाह जैसे अवसरों पर होने वाली आतिशबाजी वाले पटाखे में ही विस्फोट हुआ था। जानकारों का कहना है कि यदि उच्च क्षमता वाले विस्फोटक होते तो आरोपित मुख्तार के साथ ही पूरे घर के चिथड़े उड़ गए होते तथा इसका असर आस-पास के घरों पर भी पड़ता। वहीं, मोहल्लेवासियों का कहना है कि संभवतः घर में रखे छोटे रसोईगैस सिलेंडर में आग पकड़ने से ही यह घटना हुई है। घटना स्थल के मुआयना के दौरान वहां मिले पटाखे भी अनार व कम क्षमता वाले मिले है।

मानवता की मिसाल : रेनफो हॉस्पिटल ने किडनी मरीज का निःशुल्क इलाज कर लौटाई जीने की उम्मीद

बक्सर। बक्सर जिले में निजी स्वास्थ्य सेवाओं के बीच रेनफो हॉस्पिटल ने एक ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसने चिकित्सा को व्यवसाय नहीं बल्कि सेवा का माध्यम साबित किया है। आर्थिक तंगी और गंभीर बीमारी से जूझ रहे एक किडनी मरीज का निःशुल्क इलाज कर अस्पताल प्रबंधन ने मानवता की मिसाल कायम की है।उ मामला बक्सर जिले के मठिला गांव निवासी सत्येंद्र चौधरी से जुड़ा है, जिनकी दोनों किडनियां पिछले करीब छह माह से पूरी तरह खराब हैं। इलाज के लिए वे अपनी लगभग पूरी जमा-पूंजी खर्च कर चुके थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि परिवार को इलाज जारी रखने के लिए कर्ज लेना पड़ा और पत्नी को अपने गहने तक बेचने पड़े। हर महीने लगभग 24 हजार रुपये का खर्च परिवार के लिए असहनीय हो चुका था। इसी बीच जब सत्येंद्र चौधरी रेनफो हॉस्पिटल पहुंचे, तो उनकी स्थिति को देखते हुए अस्पताल के डायरेक्टर एवं प्रबंधक दिलीप कुमार ने संवेदनशील फैसला लिया। उन्होंने मरीज के संपूर्ण इलाज को पूरी तरह निःशुल्क करने का निर्देश दिया और अस्पताल कर्मियों से कहा कि मरीज व उसके परिजनों को हर संभव चिकित्सीय और मानवीय सहयोग दिया जाए। इस दौरान बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे भी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने स्वयं इस पहल को देखा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में, जब इलाज आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है, रेनफो हॉस्पिटल का यह कदम समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन की सराहना करते हुए इसे सच्ची सेवा भावना का उदाहरण बताया। रेनफो हॉस्पिटल के इस निर्णय की चर्चा अब जिले भर में हो रही है। लोग इसे गरीब और असहाय मरीजों के लिए नई उम्मीद के रूप में देख रहे हैं।

सदर अस्पताल की घटना से उबाल : डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर जिलेभर में ओपीडी ठप, मरीज बेहाल

- चिकित्सकों से मारपीट के विरोध में दो दिन का कार्य बहिष्कार, इमरजेंसी सेवा के सहारे स्वास्थ्य व्यवस्था

केटी न्यूज/बक्सर

सदर अस्पताल में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार, मारपीट और तोड़फोड़ की घटना ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से उठते सवाल एक बार फिर सड़कों पर आ गए हैं। इसी के विरोध में बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ के आह्वान पर जिले के सभी सरकारी अस्पतालों की ओपीडी सेवाएं पूरी तरह ठप कर दी गई हैं। गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी ओपीडी बंद रहने की घोषणा की गई है, जबकि इमरजेंसी सेवाएं सीमित रूप से चालू रखी गई हैं। इस फैसले

का सीधा असर आम मरीजों पर पड़ा। गुरुवार को सदर अस्पताल, अनुमंडल अस्पतालों और प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए पहुंचे सैकड़ों मरीजों को बिना परामर्श और दवा के लौटना पड़ा। खासकर ग्रामीण इलाकों से आए मरीजों और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मरीजों का कहना था कि वे सुबह-सुबह लंबी दूरी तय कर अस्पताल पहुंचे, लेकिन हड़ताल की जानकारी न होने के कारण उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ ने सिविल सर्जन को सौंपे गए लिखित आवेदन में स्पष्ट कहा है कि जब तक चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक इस तरह की घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। संघ ने दो दिनों के ओपीडी बहिष्कार को चेतावनी करार देते हुए कहा है कि यदि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अस्पताल परिसरों में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई, तो आंदोलन और व्यापक किया जाएगा। पूरा विवाद 20 जनवरी की रात सदर अस्पताल में हुई एक घटना से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार तियरा गांव निवासी राजेश कुमार सिंह अपनी पत्नी देवंती देवी को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद रात में सदर अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। अस्पताल कर्मियों के मुताबिक उस समय महिला का रक्तचाप बेहद अधिक था। उपचार के बाद महिला की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि सुई लगाए जाने के बाद महिला की हालत बिगड़ी और गलत इलाज के कारण उसकी जान चली गई। वहीं चिकित्सकों का पक्ष इससे अलग है। डॉक्टरों का कहना है कि महिला को तत्काल जरूरी उपचार दिया गया था और अत्यधिक बढ़े रक्तचाप को देखते हुए ब्रेन हैमरेज की आशंका जताई जा रही है। चिकित्सकों का आरोप है कि मौत के बाद परिजनों और उनके साथ आए लोगों ने डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मारपीट की, गाली-गलौज की और अस्पताल में तोड़फोड़ की। यह पहली बार नहीं है जब जिले में स्वास्थ्यकर्मियों को हिंसा का सामना करना पड़ा हो। हाल ही में डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में भी ऐसा ही मामला सामने आया था, जहां एक्सीडेंट में घायल मरीजों को लेकर आए परिजनों ने एंबुलेंस मिलने में देरी के बाद जमकर हंगामा किया था। उस दौरान स्ट्रेचर और गेट तोड़ दिए गए थे और चिकित्सकों को जान बचाने के लिए छिपना पड़ा था। उस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी, लेकिन इसके बावजूद घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अस्पतालों में न तो पर्याप्त सुरक्षा गार्ड हैं और न ही पुलिस की स्थायी तैनाती। तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करने वाले चिकित्सक हर समय असुरक्षित महसूस करते हैं। उनका साफ कहना है कि जब तक बुनियादी सुरक्षा इंतजाम नहीं होंगे, तब तक बेहतर इलाज की उम्मीद करना भी मुश्किल है। फिलहाल प्रशासन ने पूरे मामले की जांच का आश्वासन दिया है। लेकिन ओपीडी सेवाएं बंद रहने से आम जनता की परेशानी लगातार बढ़ रही है। अब सबकी निगाहें प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं कि वे कितनी जल्दी इस गतिरोध को खत्म कर पाते हैं और मरीजों व डॉक्टरों दोनों के हित में ठोस समाधान निकालते है।

रोहणीभान सड़क हादसे में बुझ गया एक और घर का चिराग, अबतक चार की हो चुकी है मौत

- वाराणसी ट्रॉमा सेंटर पहुंचने से पहले रितेश ने तोड़ा दम, गांव-गांव में पसरा मातम, तेज रफ्तार फिर बनी मौत की वजह

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा-मोहनिया मुख्य मार्ग पर राजपुर थाना क्षेत्र के रोहणीभान गांव के पास हुआ सड़क हादसा अब तीन नहीं, बल्कि चार जिंदगियों को निगल चुका है। इस दर्दनाक हादसे में गंभीर रूप से घायल बनारपुर गांव निवासी रितेश कुमार (20) ने भी इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। वाराणसी ट्रॉमा सेंटर पहुंचने से पहले उसकी मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे बनारपुर गांव में शोक और सन्नाटा छा गया। रितेश, किसान

वंशीधर सिंह का छोटा बेटा था और इंटरमीडिएट की परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दो भाइयों में सबसे छोटा रितेश परिवार की उम्मीदों का सहारा माना जाता था। हादसे के बाद उसे और रूपेश कुमार को पहले बक्सर सदर अस्पताल लाया गया, जहां से हालत गंभीर देख दोनों को हायर सेंटर रेफर किया गया। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। रितेश ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि रूपेश की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बनारपुर गांव का सूर्यदेव कुमार बालू-गिट्टी लाने के लिए घर से निकला था। उसने पड़ोसी से बाइक कुछ ही मिनटों के लिए मांगी थी। बाइक पर उसके साथ दोस्त भी सवार थे। इसी दौरान रोहणीभान के पास तेज रफ्तार में सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही सूर्यदेव कुमार और चड़ेस गांव निवासी सैफ अली की मौत हो गई। तीसरे युवक उपेंद्र प्रजापति ने सदर अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया था। अब रितेश की मौत के बाद यह हादसा चार जिंदगियों को लील चुका है। चार परिवार एक साथ उजड़ गए हैं। मां-बाप के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे, तो गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष शंभू भगत ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। यह हादसा एक बार फिर सवाल खड़ा करता हैकृक्या तेज रफ्तार और लापरवाही पर लगाम लगेगी, या सड़कें यूं ही युवाओं की कब्रगाह बनती रहेंगी।

ओमदेव सिंह बने डुमरांव अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, अधिवक्ताओं ने दिखाई एकजुटता

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव न्यायालय परिसर में गुरुवार को अधिवक्ता संघ का चुनाव एक सकारात्मक संदेश के साथ संपन्न हुआ। बिना किसी विवाद, तनाव या गुटबाजी के सभी पदों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन हुआ, जिसने अधिवक्ता समाज की परिपक्वता और एकजुटता को दर्शाया। चुनाव के दौरान पूरे दिन न्यायालय परिसर में सक्रियता बनी रही और अधिवक्ताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता ओम देव सिंह को निर्विरोध चुना गया। उनके चयन को अनुभव और संतुलित नेतृत्व का परिणाम बताया जा रहा है। अधिवक्ताओं का मानना है कि उनके

मार्गदर्शन में संघ न केवल अपनी आंतरिक समस्याओं का समाधान करेगा, बल्कि न्यायालय से जुड़े व्यापक मुद्दों पर भी मजबूती से अपनी बात रखेगा। उपाध्यक्ष पद पर किरण कुमारी सिंह के चयन ने चुनाव को विशेष महत्व दिया। महिला अधिवक्ता के रूप में उनकी भूमिका को संघ में समावेशी सोच की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। महासचिव पद की जिम्मेदारी पृथ्वी नाथ शर्मा को सौंपी गई, जिन्होंने अधिवक्ता हितों, पेशेगत सुविधाओं और संगठनात्मक मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई। संघ के संयुक्त सचिव के रूप में रविन्द्र कुमार पासवान का चयन किया गया, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर अशोक कुमार को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। अंकेक्षक पद की जिम्मेदारी विशाल कुमार को दी गई है, जिनसे वित्तीय पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने की अपेक्षा जताई गई। कार्यसमिति सदस्य के रूप में अविनाश त्रिपाठी को चुना गया। चुनाव पदाधिकारी की भूमिका वरिष्ठ अधिवक्ता चितरंजन पांडेय ने निभाई। उन्होंने निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ पूरी प्रक्रिया को संपन्न कराया। सहायक चुनाव पदाधिकारियों प्रभुनाथ तिवारी, विक्रमा राम और अजय कुमार तिवारी का सहयोग भी सराहनीय रहा। चुनाव परिणाम घोषित होते ही अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और संघ को और अधिक सशक्त, संगठित व सक्रिय बनाने का संकल्प लिया। यह चुनाव डुमरांव अधिवक्ता संघ के लिए नई शुरूआत और सकारात्मक दिशा का संकेत माना जा रहा है।

डुमरांव में फ्लैग मार्च से उपद्रवियों में हड़कंप प्रशासन ने दिया भयमुक्त सरस्वती पूजा का संदेश

- एसडीएम, एसडीपीओ के नेतृत्व में शहरभर में निकला मार्च, डीजे पर सख्त प्रतिबंध का एलान

केटी न्यूज/डुमरांव

सरस्वती पूजा की पूर्व संध्या पर डुमरांव अनुमंडल प्रशासन ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर शांति व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश दिया। फ्लैग मार्च के जरिए जहां असामाजिक व उपद्रवी तत्वों में हड़कंप मचा, वहीं आम लोगों को भयमुक्त वातावरण में पर्व मनाने का भरोसा भी दिलाया गया। प्रशासन ने साफ कर दिया कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार और एसडीपीओ पोलस्त कुमार के संयुक्त नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च थाना परिसर से प्रारंभ हुआ। मार्च स्टेशन रोड, राजगोला रोड, चौक रोड, हाथीखाना रोड, गौशाल रोड, शक्ति द्वार रोड

समेत शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः थाना परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। बूटों की धमक और पुलिस बल की मौजूदगी ने स्पष्ट कर दिया कि प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

फ्लैग मार्च के दौरान एसडीएम और एसडीपीओ ने आम नागरिकों, दुकानदारों और पूजा समिति के सदस्यों से संवाद किया। अधिकारियों ने लोगों से आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांति के साथ सरस्वती पूजा मनाने की अपील की। एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि मां सरस्वती विद्या और विवेक की देवी हैं, इसलिए उनकी पूजा अनुशासन, संयम और आपसी मेल-जोल के साथ की जानी चाहिए। प्रशासन ने पूजा समितियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जिला प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का हर हाल में पालन किया जाए। खासतौर पर डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। एसडीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी पूजा पंडाल या जुलूस में डीजे बजते पाए जाने पर संबंधित समिति और आयोजकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा अश्लील गानों, भड़काऊ नारों और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी प्रशासन की पैनी नजर रहेगी।

एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कहा कि पुलिस-प्रशासन का उद्देश्य पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। इसके लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।

फ्लैग मार्च में डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा समेत बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। प्रशासन की इस सक्रियता से शहरवासियों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है और पूजा को लेकर सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेदवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

कोरानसराय थाने में आयोजित एसपी के जनता दरबार में फूटा फरियादियों का गुस्सा, जमीन से परिवार तक उठे गंभीर सवाल

चारों ओर पैरवी करतारू, दिमाग ठिकाना लगा देब, कह फफक पड़ी बुढ़िया... बोले एसपी मेडिकल रिपोर्ट की करें जांच

- कोरानसराय थाना में एसपी के सामने पुलिस कार्यशैली, जमीन कब्जा, मारपीट और पारिवारिक उत्पीड़न के मामलों की खुली परतें

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना परिसर में गुरूवार को आयोजित पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के जनता दरबार में फरियादियों का दर्द खुलकर सामने आया। यह जनता दरबार सिर्फ शिकायत सुनने का मंच नहीं रहा, बल्कि जमीन विवादों में पुलिस की भूमिका, थानास्तर पर कथित लापरवाही, मारपीट के मामलों में कमजोर कार्रवाई और पारिवारिक उत्पीड़न जैसे संवेदनशील मुद्दों पर तीखे सवालों का केंद्र बन गया। बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने एक के बाद एक ऐसे मामले रखे, जिन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था की जमीनी हकीकत उजागर कर दी।

जनता दरबार की शुरूआत में ही यह साफ हो गया कि क्षेत्र में सबसे गंभीर और जटिल समस्या जमीन विवाद है। कई फरियादियों ने आरोप लगाया कि उनकी अपनी रैयती जमीन पर ही दबंगों द्वारा जबरन दखल दिया जा रहा है और शिकायत करने पर उल्टे उन्हें ही परेशान किया जाता है।

रास्ता बंद, आवाजाही ठप, फिर भी कार्रवाई शून्य

स्थानीय थाना क्षेत्र की महिला गायत्री देवी ने एसपी के सामने अपनी पीड़ा रखते हुए बताया कि कुछ नामजद लोगों ने मिट्टी डालकर उनका रास्ता बंद कर दिया है। इससे न केवल उनका बल्कि पूरे परिवार का आवागमन बाधित हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार थाना और अन्य कार्यालयों में शिकायत करने के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। महिला की बात सुनते ही एसपी शुभम आर्य ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और तत्काल स्थल जांच कर सच्चाई सामने लाने का निर्देश दिया। एसपी ने स्पष्ट कहा कि रास्ता रोकना गंभीर मामला है और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

अपनी ही जमीन पर कब्जे से रोकने पर धमकी का आरोप

जनता दरबार का सबसे गंभीर और चर्चित मामला रविन्द्र मिश्रा ने उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी रैयती जमीन पर कुछ नामजद लोग जबरन कब्जा कर रहे हैं और जब वे इसका विरोध करते हैं तो उन्हें ही फंसाने की धमकी दी जाती है। रविन्द्र मिश्रा ने बताया कि उनके पास कुल 96 डिसमिल जमीन है, जिसमें से 30 फीट हिस्से की विधिवत घेराबंदी कराई गई है। इसके बावजूद कभी गोबर रख दिया जाता है तो कभी मड़ई बनाकर अवैध कब्जा किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन बचाने के लिए जब उन्होंने बाउंड्री कराई, तो दबंगों ने उस पर भी आपत्ति जताई। कई बार अंचल कार्यालय और थाना में आवेदन देने के बाद भी समाधान नहीं हुआ। उल्टे शांति भंग के नाम पर कभी धारा 107 तो कभी 144 लगा दी जाती है। सबसे गंभीर आरोप यह रहा कि थानाध्यक्ष द्वारा उन्हें ही केस में फंसाने की धमकी दी जाती है। एसपी शुभम आर्य ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष को अंचलाधिकारी से समन्वय कर सभी दस्तावेजों की गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने साफ कहा कि यदि जमीन का स्वामित्व रविन्द्र मिश्रा का सिद्ध होता है और कोई उनके अधिकार में बाधा डाल रहा है तो नामजद लोगों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।

पति को पत्नी से मिलने से रोके जाने का मामला

जनता दरबार में पारिवारिक विवाद का एक भावनात्मक मामला भी सामने आया। मुंगांव निवासी रोहन कुमार ने आरोप लगाया कि उनके ससुर उन्हें उनकी पत्नी से मिलने नहीं दे रहे हैं। रोहन ने बताया कि डुमरांव में कोचिंग के दौरान प्रेम विवाह हुआ था। बाद में दोनों परिवारों की सहमति से सामाजिक रूप से शादी भी कराई गई और उनका एक बेटा भी है। इसके बावजूद ससुराल पक्ष उन्हें प्रताड़ित कर रहा है। जब भी वह पत्नी से मिलने जाते हैं तो ससुर द्वारा उन्हें थाने में पकड़वा दिया जाता है और पत्नी को भी उनके खिलाफ भड़काया जा रहा है। इस मामले में एसपी ने जांच कर दोनों पक्षों से बात कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया।

एएसआई व उसकी मां ने कोरानसराय थानाध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

जनता दरबार में बीते दिनों हुए एक गंभीर मारपीट का मामला भी गूंजा। पीड़िता बालकेश्वरी देवी और उनके पुत्र, जो सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) अमित कुमार सिंह हैं, ने आरोप लगाया कि जमीन विवाद को लेकर कोरानसराय मठिया के पास उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई थी। पीड़ितों ने दावा किया कि जान से मारने की कोशिश की गई और दोनों के हाथ टूट गए। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि पुलिस ने इस मामले को हल्के में लिया और गंभीर धाराओं को हटा दिया गया। जब वे न्याय की मांग लेकर थाना जाते हैं तो उन्हें धमकाया जाता है। एएसआई अमित की मां बालकेश्वरी ने जनता दरबार में एसपी से यहां तक कहा कि थानाध्यक्ष कहती है कि चारों ओर पैरवी करतारू, दिमाग ठिकाना लगा देबी...। इस पर थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने एसपी को बताया कि जिस धारा में मामला दर्ज हुआ था, उसी में चार्जशीट दाखिल की गई है। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद एसपी ने पूरे मामले की पुनः जांच का आदेश दिया। उन्होंने पीड़िता से इंजुरी रिपोर्ट मांगी और स्पष्ट किया कि बिना दबाव और पक्षपात के निष्पक्ष कार्रवाई होगी।

एसपी का सख्त संदेश

जनता दरबार के अंत में एसपी शुभम आर्य ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी फरियादी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने थानास्तर पर शिकायतों को गंभीरता से लेने, जमीन विवादों में निष्पक्षता बरतने और पीड़ितों को डराने-धमकाने की शिकायतों को बर्दाश्त न करने की बात कही। एसपी ने साफ संकेत दिया कि यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही या गलत मंशा सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई तय है। कोरानसराय थाना का यह जनता दरबार सिर्फ शिकायतों का मंच नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने वाला मंच बनकर सामने आया, जहां आम लोगों ने अपने हक और न्याय के लिए खुलकर आवाज बुलंद की।

एक नजर

अपहरण की अफवाह से गांव में हड़कंप, छह घंटे बाद पुआल में सुरक्षित मिला मासूम

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र के आमसारी गांव में बुधवार को डेढ़ वर्षीय बच्चे के कथित अपहरण की सूचना ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। दोपहर बाद जैसे ही मासूम के घर से गायब होने की खबर फैली, गांव से लेकर थाना तक अफरा-तफरी मच गई। परिजनों की आशंका और ग्रामीणों की चचाओं ने मामले को अपहरण का रूप दे दिया, जिसके बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष नेहा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सघन छानबीन शुरू की। गांव के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई, रिश्तेदारों से पूछताछ हुई और संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। लगभग छह घंटे तक चले इस अभियान के दौरान तनाव बढ़ता गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। देर रात करीब 11 बजे मामले में बड़ा मोड़ आया, जब पुलिस को सूचना मिली कि बच्चे को गांव के बाहर पुआल की ओर एक युवक के साथ देखा गया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि मासूम पुआल पर पड़ा हुआ है, जबकि पास में मंटू कुमार सिंह नामक युवक शराब के नशे में बेसुध सोया था। जांच में सामने आया कि युवक ने किसी आपराधिक मंशा से नहीं, बल्कि बच्चे को खेलाने के लिए अपने साथ ले गया था। नशे के कारण वह वहीं सो गया और बच्चा पुआल के पास छूट गया। पुलिस की जांच के बाद अपहरण की आशंका पूरी तरह गलत साबित हुई। इस खुलासे के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और प्राथमिकी दर्ज कराने से इनकार कर दिया। एसपी शुभम आर्य ने बताया कि बच्चा काफी देर तक ठंड में पड़ा रहा, इसलिए एहतियातन उसका मेडिकल चेकअप कराया जा रहा है। फिलहाल बच्चा पूरी तरह सुरक्षित है और परिजनों को सौंप दिया गया है। यह घटना गांव में शराबखोरी से होने वाली लापरवाही और अफवाहों के खतरनाक असर की एक बड़ी मिसाल बनकर सामने आई है।

केसठ बिहार ग्रामीण बैंक में तीन दिनों से कैश संकट, खाताधारक बेहाल

केसठ। प्रखंड के केसठ पुराना बाजार स्थित बिहार ग्रामीण बैंक में पिछले कुछ दिनों से नकद राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैंक में कैश नहीं होने से खाताधारक अपने ही पैसे निकालने के लिए इधर उधर भटकने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली बार नहीं है, बल्कि हर बार यही स्थिति बनाई जाती है।बैंक प्रबंधन की ओर से स्पष्ट जानकारी न मिलने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को दूरभाष पर संपर्क करने पर बैंक प्रबंधक ने बताया कि कैश कब तक आएगा, इसकी कोई पूर्व सूचना नहीं दी जाती, हालांकि जब भी कैश आता है निकाशी कि जाती है,कुछ लोगों का ही निकाशी होती है ,जिससे उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार कभी लिंक फेल होने का बहाना बनाया जाता है, तो कभी कैश नहीं है लिखकर बोर्ड लगा दिया जाता है।बताया जा रहा है कि केसठ प्रखंड में यही एकमात्र बैंक शाखा है, जिस पर हजारों ग्रामीण निर्भर रहते हैं। बैंक में नकद उपलब्ध नहीं होने के कारण लोग मजबूरी में दुकानों पर 10 रुपए प्रति हजार की दर से अपने ही पैसे निकालने को विवश हैं। वहीं आधार आधारित निकासी में भी केवल 10 हजार रुपए तक की ही सीमा होने से जरूरतमंद लोगों की समस्याएं और गहरी हो गई हैं।ग्रामीणों ने बैंक कर्मियों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बैंक कर्मी स्पष्ट रूप से कुछ भी बताने से इनकार कर देते हैं। जब उपभोक्ता पासबुक अपडेट कराने पहुंचते हैं, तो कभी मशीन खराब है कह दिया जाता है, तो कभी दोपहर 2 बजे के बाद आइए कहकर लौटा दिया जाता है। विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि जब भी बैंक में नकद राशि आती है, तो सबसे पहले सीएसपी संचालकों को पैसा उपलब्ध करा दिया जाता है, जबकि आम खाताधारकों को घंटों इंतजार के बाद भी निराश लौटना पड़ता है। इससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और बैंक के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि नियमित रूप से कैश की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, साथ ही बैंक कर्मियों की कार्यप्रणाली की जांच हो। यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

ग्रामीण स्कूल की बेटियों ने बदली तस्वीर, अमरपुर मध्य विद्यालय शिक्षा के साथ गतिविधियों में बना मिसाल

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड क्षेत्र के सुदूर ग्रामीण इलाके में स्थित अमरपुर मध्य विद्यालय अब केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह विद्यालय प्रतिभा, जागरूकता और सर्वांगीण विकास का केंद्र बनता जा रहा है। इसी कड़ी में विद्यालय की छात्रा बबली कुमारी ने जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर न सिर्फ अपने विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

इस उपलब्धि को विद्यालय परिवार ग्रामीण प्रतिभाओं की मेहनत और सही मार्गदर्शन का परिणाम मान रहा है। विद्यालय के शिक्षक विनोद पांडेय ने बताया कि बबली की सफलता यह साबित करती है कि संसाधनों की कमी प्रतिभा के आड़े नहीं आती, यदि सही दिशा और प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं में भी आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे।

विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छात्रों को भाषण, वाद-विवाद, स्वच्छता, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों से जोड़ा जा रहा है। इसी उद्देश्य से विद्यालय में इको क्लब का गठन किया गया है, जहां रुचि रखने वाले छात्र पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद अमरपुर मध्य विद्यालय जिस तरह छात्रों को पढ़ाई के साथ जीवन कौशल, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ रहा है, वह अन्य विद्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण बनता जा रहा है।

रोजगार से बदली ग्रामीण परिवारों की तस्वीर : चौसा में जीविका, डीडीयूजीकेवाई अभिभावक संवाद कार्यक्रम

केटी न्यूज/चौसा

ग्रामीण युवाओं को हुनर के साथ सम्मानजनक रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयूजीकेवाई) लगातार असर दिखा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को चौसा बारा मोड़ स्थित बीपीआईयू जीविका कार्यालय में एक विशेष अभिभावक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने योजना के सामाजिक प्रभाव को उजागर किया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड परियोजना प्रबंधक शोभना गुप्ता ने किया। बैठक में उन अभिभावकों को आमंत्रित किया गया था, जिनके परिवार के बच्चे या जीवनसाथी इस योजना के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यरत हैं।

संवाद का मुख्य उद्देश्य योजना से जुड़े परिवारों के अनुभव जानना और भविष्य की रणनीति पर विचार करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत वित्त प्रबंधक प्रतीक कुमार, क्षेत्र समन्वयक धर्मेन्द्र चौधरी, सामुदायिक समन्वयक कुंदन किशोर एवं प्रबंधन टीम द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद योजना के उद्देश्यों, उपलब्धियों और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अभिभावकों ने बताया कि डीडीयूजीकेवाई ने न केवल उनके बच्चों को रोजगार दिया, बल्कि पूरे परिवार की सोच और जीवनशैली में बदलाव लाया है। नियमित आय से आर्थिक सुरक्षा बढ़ी है, वहीं बच्चों में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक पहचान भी मजबूत हुई है। कई अभिभावकों ने कहा कि पहले जो बच्चे गांव से बाहर जाने में झिझकते थे, आज वे देश के बड़े शहरों में आत्मनिर्भर होकर काम कर रहे हैं। संस्था और अभिभावकों के बीच हुए खुले संवाद ने कार्यक्रम को और सार्थक बनाया। इस अवसर पर सभी उपस्थित अभिभावकों को सम्मानित किया गया, जिससे उनका मनोबल और विश्वास और मजबूत हुआ। अंत में अभिभावकों ने जीविका और संबंधित विभागों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं ग्रामीण युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक एवं परिजन उपस्थित रहे।

मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0 की शुरूआत, 50 मामलों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू

केटी न्यूज/बक्सर

मेडिएशन फॉर द नेशन कार्यक्रम के प्रथम चरण की अपार सफलता के बाद बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना द्वारा मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0 कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत 2 जनवरी से की गई है। यह कार्यक्रम 1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक आयोजित प्रथम चरण के सकारात्मक परिणामों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम की सफलता और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए अवर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर की सचिव नेहा दयाल ने कहा कि मध्यस्थता (मेडिएशन) विवाद निपटारे का एक प्रभावी, गोपनीय और पूर्णतः स्वैच्छिक माध्यम है। इस प्रक्रिया से न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि न्यायालयों पर बढ़ते मुकदमों के बोझ को भी

कम करने में यह सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी भी पक्ष पर निर्णय थोपा नहीं जाता। एक निष्पक्ष मध्यस्थ की उपस्थिति में दोनों पक्षों को आपसी संवाद और सहयोग के माध्यम से समाधान तक पहुंचने का अवसर मिलता है। इससे न केवल विवाद का स्थायी समाधान निकलता है, बल्कि आपसी संबंध भी बने रहते हैं।

सचिव नेहा दयाल ने जानकारी दी कि इसी क्रम में बक्सर लोक अदालत में अब तक 50 मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटारे हेतु चिन्हित किया जा चुका है। इन मामलों के समाधान से संबंधित पक्षों को शीघ्र और सुलभ न्याय मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अदालतों में लंबित रहने वाले मामलों से पक्षकारों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ता है, जबकि मध्यस्थता इस जटिलता को सरल बनाती है।

उन्होंने आगे कहा कि अक्सर लंबी न्यायिक प्रक्रिया के कारण रिश्तों में कटुता आ जाती है, लेकिन मध्यस्थता में दोनों पक्षों को समान अवसर मिलता है और आपसी सहमति से समाधान खोजा जाता है। यही कारण है कि मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0 कार्यक्रम को जनहित में एक सशक्त पहल माना जा रहा है, जो त्वरित न्याय और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देगा।

इस कार्यक्रम के माध्यम से आम लोगों को वैकल्पिक विवाद समाधान के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे न्यायालयों के बाहर भी शांतिपूर्ण और सम्मानजनक समाधान अपना सकें।

डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन का असररू राजपुर सीएचसी की ओपीडी ठप, इलाज के लिए भटके मरीज

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में गुरूवार को ओपीडी सेवा पूरी तरह बंद रहने से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दूर-दराज के गांवों से इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे मरीजों को बिना जांच कराए ही वापस लौटना पड़ा, जबकि कई मरीज मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करने को विवश हुए। अस्पताल परिसर में पहुंचे लोगों ने बताया कि वे बुखार, पेट दर्द, सांस संबंधी परेशानी समेत अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण इलाज संभव नहीं हो सका। मरीजों का कहना था कि सरकारी अस्पताल ही उनके लिए सबसे सुलभ विकल्प है, ऐसे में ओपीडी बंद होने से उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं। दरअसल, सदर अस्पताल में एक महिला की मौत के बाद परिजनों द्वारा डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया था। इस घटना के बाद चिकित्सक संघ के आह्वान पर दो दिवसीय ओपीडी सेवा बंद करने का निर्णय लिया गया, जिसका असर प्रखंड स्तर के अस्पतालों पर भी देखने को मिला। राजपुर सीएचसी के डॉक्टरों ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए ओपीडी सेवाएं स्थगित रखीं। हालांकि राहत की बात यह रही कि आपातकालीन सेवाएं चालू रहीं। गंभीर हालत में पहुंचे मरीजों का इलाज किया गया, जिससे कुछ हद तक हालात संभले। बावजूद इसके, सामान्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ा।

अस्पताल पहुंची अकबरपुर निवासी रीना देवी अपनी पुत्री का इलाज कराने आई थीं, लेकिन ओपीडी बंद होने के कारण उन्हें खाली हाथ वापस जाना पड़ा। इसी तरह सरांव गांव से अभय पांडेय, रौनी से रामराज, अकोढ़ी गांव से रामाशंकर सिंह और गोविंद सिंह, रूपा पोखर गांव से गिरदावल राजभर, राजपुर से उर्मिला देवी तथा बिजौली गांव से रामकेश्वर सिंह समेत कई मरीज बिना जांच-इलाज के लौट गए। ओपीडी बंद रहने से आमजन में नाराजगी देखी गई। लोगों ने मांग की कि विवादों का समाधान मरीजों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों।

प्रसव व टीकाकरण के लक्ष्य को अस्पताल प्रशासन न करें अनदेखी

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गर्भवती मताओं के प्रसव की कमजोर स्थिति एवं बच्चों के टीकाकरण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये गुरूवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी पीवी साहु ने स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बैठक कर सुविधाओं का निरीक्षण किया.इस दौरान अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कर्मियों के वर्क परफार्मेंस का व्यक्ति दर व्यक्ति समीक्षा किया। बैठक के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुमित कुमार ने बताया कि राजपुर अस्पताल का विगत कुछ महीनों में गर्भवती माताओं के प्रसव की कमजोर स्थिति एवं लक्ष्य से काफी कम संख्या में बच्चों का टीकाकरण किए जाने की रिपोर्ट पर चिंता जताया गया था। जबकि अस्पताल प्रशासन कर्मियों के साथ बैठक कर इन मामलों में त्रुटि वाले बिंदुओं को जानने का प्रयास किया गया.जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने अस्पताल कर्मियों के कमजोर परफॉर्मेंस पर चिंता जाहिर करते हुए उन्हें जिला से प्राप्त लक्ष्य को हासिल करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही गर्भवती माताओं के प्रसव पूर्व शिशु जांच के लिये सीएचसी में उपलब्ध सुविधा अल्ट्रासाउंड मशीन व ऑपरेशन थियेटर समेत आपातकालीन परिस्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं सीएचसी में पदस्थापित चिकित्सकों के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। शीत श्रृंखला अन्तर्गत टीकाकरण, दवाईओं के रखरखाव एवं कागजात आदी की जांच की। मौके पर मैनेजर संदीप कुमार,आशा प्रबन्धक विकास कुमार, एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी, कर्मी नवीन गौतम, ड्रग स्टोर कर्मी धीरज कुमार,बडा बाबु मनोज कुमार, मालती, कमला,सुनिता कुमारी, समेत अन्य मौजूद रहे। फोटो भी है त्र अंतर्गत गर्भवती मताओं प्रसव की कमजोर स्थिति एवं बच्चों के टीकाकरण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये गुरूवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी पीवी साहु ने स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बैठक कर सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कर्मियों के वर्क परफार्मेंस का व्यक्ति दर व्यक्ति समीक्षा किया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा सुमित कुमार ने बताया कि जिला में हुए बैठक के दौरान राजपुर अस्पताल का विगत कुछ महीनों में गर्भवती माताओं के प्रसव की कमजोर स्थिति एवं लक्ष्य से काफी कम संख्या में बच्चों का टीकाकरण किए जाने की रिपोर्ट पर चिंता जताया गया था। अस्पताल प्रशासन कर्मियों के साथ बैठक कर इन मामलों में त्रुटि वाले बिंदुओं को जानने का प्रयास किया गया.जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने अस्पताल कर्मियों के कमजोर परफॉर्मेंस पर चिंता जाहिर करते हुए उन्हें जिला से प्राप्त लक्ष्य को हासिल करने के लिए निर्देशित किया। गर्भवती माताओं के प्रसव पूर्व शिशु जांच के लिये सीएचसी में उपलब्ध सुविधा अल्ट्रासाउंड मशीन व ऑपरेशन थियेटर समेत आपातकालीन परिस्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं सीएचसी में पदस्थापित चिकित्सकों के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया.शीत श्रृंखला अन्तर्गत टीकाकरण, दवाईओं के रखरखाव एवं कागजात आदी की जांच की। मौके पर मैनेजर संदीप कुमार,आशा प्रबन्धक विकास कुमार, एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी, कर्मी नवीन गौतम, ड्रग स्टोर कर्मी धीरज कुमार,बडा बाबु मनोज कुमार, मालती, कमला, सुनिता कुमारी, समेत अन्य मौजूद रहे।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को कहा-

बिहार पुलिस में तैनात सेना से रिटायर चालकों को मिला एक साल का सेवा विस्तार, मानदेय भी पांच हजार बढ़ा

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को बताया कि राज्य में आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली के तहत तैनात इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल्स के चालकों की सेवा अवधि को एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही सेना से सेवानिवृत्त चालकों के मानदेय में भी वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की गई है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि AWPO दानापुर के माध्यम से लिए गए सेना से सेवानिवृत्त चालकों का एक वर्ष का सेवा विस्तार किया गया है। पहले इन चालकों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता था, जिसे अब बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें 4,000 रुपये वार्षिक वर्दी भत्ता भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ERSS परियोजना के

संचालन के लिए कुल 4,426 चालक पद स्वीकृत हैं, जिनमें 3,418 चालक सिपाही और 1,009 चालक हवलदार के पद शामिल हैं। इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रगति पर है। भर्ती और प्रशिक्षण की प्रक्रिया में समय लगने की संभावना को देखते हुए व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सेना से सेवानिवृत्त चालकों की सेवाएं आगे बढ़ाई गई हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गृह विभाग के पूर्व निर्णय के अनुसार इन चालकों की सेवा अवधि मार्च 2026 तक निर्धारित थी, जो अब समाप्त होने वाली है। इसे ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक वर्ष के अतिरिक्त सेवा विस्तार को मंजूरी दी गई है। इस एक वर्ष के सेवा विस्तार पर कुल अनुमानित व्यय 161 करोड़ 11 लाख 84 हजार रुपये होगा। चौधरी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार राज्य में पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ और मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हाल के दिनों में पूर्वी चंपारण में पुलिस अधीक्षक के नए कार्यालय भवन, रोहतास के डिहरी पुलिस केंद्र में रक्षित कार्यालय एवं शस्त्रागार भवन तथा लखीसराय पुलिस केंद्र में महिला पुलिसकर्मियों के लिए 200 बेड क्षमता वाले आधुनिक बैरक के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। 112 आपातकालीन सेवा के रिस्पांस टाइम को कम करने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और इसी क्रम में इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल्स के चालकों की सेवा अवधि को एक वर्ष के लिए विस्तार दिया गया है।

एक साल में खर्च होगा 161 करोड़

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गृह विभाग के पूर्व निर्णय के अनुसार इन चालकों की सेवा अवधि मार्च 2026 तक निर्धारित थी, जो अब समाप्त होने वाली है। इसे ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक वर्ष के अतिरिक्त सेवा विस्तार को मंजूरी दी गई है। इस एक वर्ष के सेवा विस्तार पर कुल अनुमानित व्यय 161 करोड़ 11 लाख 84 हजार रुपये होगा।

112 के रिस्पांस टाइम को कम करने की कोशिश

चौधरी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार राज्य में पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ और मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हाल के दिनों में पूर्वी चंपारण में पुलिस अधीक्षक के नए कार्यालय भवन, रोहतास के डिहरी पुलिस केंद्र में रक्षित कार्यालय एवं शस्त्रागार भवन तथा लखीसराय पुलिस केंद्र में महिला पुलिसकर्मियों के लिए 200 बेड क्षमता वाले आधुनिक बैरक के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। 112 आपातकालीन सेवा के रिस्पांस टाइम को कम करने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और इसी क्रम में इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल्स के चालकों की सेवा अवधि को एक वर्ष के लिए विस्तार दिया गया है।

डीएम के नेतृत्व में स्टार्टअप संवाद कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

जिला पदाधिकारी के नेतृत्व ने कार्यालय प्रकोष्ठ में उद्योग वार्ता एवं इज ऑफ डुईंग विजनेस तहत स्टार्टअप संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन। बैठक में उप विकास आयुक्त रोहतास के अतिरिक्त महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, जिला बैंक समन्वयक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, बिहार ग्रामीण बैंक, केनरा बैंक, रोहतास एवं स्टार्टअप सेल के समन्वयक नितीश कुमार दूबे उपस्थित थे। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा सभी स्टार्टअप संस्थापकों से उनका परिचय, कार्यप्रणाली,वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गयी। जिला पदाधिकारी द्वारा उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया और उनके समाधान हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिये गये। जिला पदाधिकारी द्वारा नवाचार आधारित उद्यमों को प्रोत्साहित करने एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी । उन्होने बताया कि बिहार स्टार्टअप निति के तहत सरकार द्वारा अब 25 लाख तक की सहायता देने हेतु कार्रवाई की जा रही है। कार्यक्रम संपन्न होने के दौरान सभी स्टार्टअप संस्थापक जिला उद्योग केन्द्र, रोहतास में पहुंचकर महाप्रबंधक से सरकार के विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर स्टार्टअप संस्थापक धर्मेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, राकेश कुमार, लोकरंजन,आदित्य कुमार एवं मनोज राज उपस्थित थे।

अस्पताल ड्यूटी में लापरवाही कतई नहीं बर्दाश्त,सीएचओ में करें सुधार

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंडअन्तर्गत संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक सीएचसी सभागार में मंगलवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर सुमित कुमार के अध्यक्षता में हुआ. बैठक के दौरान सरकार द्वारा क्षेत्र में संचालित चिकित्सा सेवा एवं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं को कर्मियों के साथ समीक्षा किया.सभी पंचायत मुख्यालय अन्तर्गत संचालित हेल्थ वेलनेश सेंटर एवं उनके सीएचओ से चिकित्सा जानकारी लिया। साथ ही सभी सीएचओ को अपने सेंटर पर सुविधाओं में बेहतरी लाने के लिए निर्देशित किया। स्वास्थ्य कर्मियों से टीका करण अभियान के दौरान पांच साल तक के बच्चे को अब तक हुए टीकाकरण के बारे में जानकारी ली। प्रभारी ने कर्मियों से कहा कि एक भी बच्चा छुटना नहीं चाहिए। जहां भी गलती पाई जायेगी दण्डात्मक कारवाई होगी,ड्यूटी में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा जांच के

लिए उपलब्ध सुविधाओं का दायरा क्षेत्र के संपन्न घरों में बढ़ाने के लिए आशा को निर्देशित किया। प्रतिदिन ओपीडी में ईलाज के लिए आने वाले मरीजों की जानकारी लेते हुए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अस्पताल को जितना बड़ा भवन की जरूरत थी,सरकार से मिल गया है। एक्सरे मशीन, ईसीजी,खुन पेशाब आदि की जांच के लिए लेबोरेटरी,आंख की जांच की सुविधाएं अस्पताल में स्थापित है.जल्द हीं अल्ट्रासाउंड मशीन भी मिलेगा। आशा कार्यकर्तओं को बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी योजना जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए अनचाहे गर्भ से मुक्ति के सुरक्षा उपायों को प्रतिदिन सभी घरों में पहुंचने के लिए निर्देशित किया। मौके पर डॉ. राकेश कुमार,स्वास्थ प्रबंधक संदीप कुमार,आशा प्रबन्धक विकास कुमार,एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी नवीन कुमार,बडा बाबु मनोज कुमार,अभय कुमार एएनएम माधवी,सीएचओ घोरडिही कुमारी अर्चना,तरांव सीएचओ कुमारी मधु प्रसाद,वैशाली शर्मा,अंननत मिश्रा सुषमा कुमारी सुमन कुमारी समेत अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

अखंड पाठ के महाविद्यालय में लगातार 11वें साल मां सरस्वती पूजा का आयोजन

बिक्रमगंज। बसंत पंचमी के अवसर पर जिला क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड के शैक्षणिक संस्थानों व सामाजिक स्थलों पर मां सरस्वती पूजन से पूर्व ही अखंड पाठ भक्तिमय वातावरण में शुरू है। मां सरस्वती पूजा को लेकर नगर परिषद बिक्रमगंज स्थित वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय धारूपुर में लगातार 11वें साल भी अखंड पाठ के साथ पूजन भक्तिमय वातावरण में शुरू हुई। अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार मंदिर में स्थापित मां सरस्वती के समक्ष अखंड पाठ के पूजन करते हुए सुख-समृद्धि की दुआ कर रहे हैं। साथ ही उपस्थित छात्रों के अभिभावकों द्वारा माता सरस्वती की पूजा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की गई। जिसमें महाविद्यालय के बच्चें ने भी आस्था के साथ पूजा में भाग लिया। दूसरी तरफ अखंड पाठ पूजा में भाग लेते हुए भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि हिंदू धर्म में मां सरस्वती की पूजा मुख्य रूप से वर्ष में दो बार बसंत पंचमी और शारदीय नवरात्रि के शुभ मुहूर्त में किया जाता है। नए साल में बसंत पंचमी 23 जनवरी शुक्रवार को मनेगी है। जो सरस्वती पूजा 3 से 4 दिनों तक चलती है। यह नवरात्रि के अंतिम दिनों में शुरू होकर विजयदशमी पर विसर्जन के साथ समाप्त होती है। मां सरस्वती की पूजा विद्या, बुद्धि और कला की प्राप्ति के लिए की जाती है। पूजा के मौके पर अपनी किताबें, पेन, संगीत के उपकरण या अन्य कला सामग्री मां के चरणों में रखें और उनका आशीर्वाद लेनी चाहिए।

मरम्मति कार्य को लेकर दो दिन विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज। अनुमंडल क्षेत्र के नारायणपुर ग्रिड में 33 केवी मेन बसबार मरम्मति का कार्य करने के कारण 24 जनवरी शनिवार को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक कार्यपालक अभियंता बिक्रमगंज उपेंद्र सिंह ने बताया की ग्रिड से निकलने वाले, नोनहर, कोआथ, सकला, बिक्रमगंज, दावथ, सूर्यपुरा, नटवार, तरारी, संझौली की विद्युत आपूर्ति 10 बजे से 11 बजे तक पूर्ण रूप से बन्द रहेगी। उन्होंने बताया की और फीडर का विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी साथ हीं नोनहर, तरारी, दावथ व नटवार फीडर 11 से 15 बजे तक बंद रहेंगी। उक्त अवधि मे ग्रिड द्वारा रखरखाव व खराब इन्सुलेटर बदलने का कार्य किया जायेगा। साथ हीं नारायणपुर ग्रिड में 33 केवी मेन बसबार मरम्मति का कार्य करने के कारण 25 जनवरी (रविवार) को भी कोआथ, सकला, काराकाट, सूर्यपुरा, संझौली की विद्युत आपूर्ति 10 बजे से 15 बजे तक पूर्ण रूप से बन्द रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता, विद्युत आपूर्ति अवर प्रमण्डल बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा उपभोक्ताओ से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी काम निपटा लेंगे। मरम्मति के दौरान तकनीकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया गया है। इससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं को सुझाव दिया है कि आवश्यक घरेलू और व्यावसायिक कार्य निर्धारित समय से पहले ही निपटा लें ताकि किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस रखरखाव कार्य का उद्देश्य लाइन व उपकरणों की कार्य क्षमता को दुरुस्त रखना है ताकि निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

दो वारंटी गिरफ्तार, एक हजार लीटर पास विनिष्ट

राजपुर। बघैला पुलिस ने क्षेत्र के मधुबनटोला गांव निवासी न्यायालय के एनबीडब्ल्यू दो लोगों को किया गिरफ्तार। थानाध्यक्ष करन कुमार ने बताया कि कईल यादव उर्फ कमलेश यादव एवं मनोज यादव काफी दिनों से फरार चल रहे थे। जिसे गुप्त सूचना पर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना पर बिशुनपुर गांव स्थित काव नदी तट पर शराब निर्माण के एक भट्टी को ध्वस्त करते हुए एक हजार लीटर महुआ पास विनिष्ट किया गया।

सरकारी महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर लोगों ने डीएम को सौंपी मांग पत्र

सासाराम। जिले क्षेत्र के समाजसेवी लोगों की एक शिष्टमंडल टीम गुरुवार को रोहतास डीएम उदिता सिंह से मिलकर सरकारी स्तर पर आयोजित की जाने वाले महोत्सवों के उद्देश्य को धरातल पर उतारने के लिए पांच सुत्रीय मांग पत्र सौंपा। जिसमें कहा गया है कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, प्रचार प्रसार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हीं सरकारी स्तर पर जिले में गुप्ताधाम महोत्सव,शेरशाह सूरी महोत्सव आदि का आयोजन किया जाता है, लेकिन कई वर्षों से सरकारी राजस्व खर्च होने के बावजूद ऐसे आयोजन का जो परिणाम सामने आना चाहिए था वैसा अभीतक नहीं हुआ। मांग में महोत्सव में जिला के शिक्षाविद् साहित्यकार पत्रकार व जन-प्रतिनिधियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने,संबंधित महोत्सव के लिए लेजर शो कराने और स्मारिका प्रकाशित करने, जिला के प्रमुख ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक तथा प्राकृतिक सौंदर्य स्थलों को पर्यटन विभाग के बेवसाइट पर डालने तथा मंच पर स्थानीय कलाकारों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधि मंडल में शेरशाह सूरी ट्रस्ट के जीएम अंसारी,अवधूत भगवान राम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.विनोद सिंह उज्जैन,पायलट बाबा आश्रम के रमेश कुमार पप्पू , महावीर क्विज एन्ड टेस्ट सेंटर के सचिव शैलेश कुमार, सरोज कुमार पंकज,सादिक हुसैन,नबीज अख्तर आदि शामिल थे।

बिहार में नेताओं की सुरक्षा में बड़ा फेरबदल

नितिन नबीन समेत कई को 'जेड' कैटेगरी की सुरक्षा, तेजस्वी की घटी

एजेंसी। पटना

पटना से इस वक्त की बड़ी राजनीतिक खबर सामने आ रही है। बिहार सरकार ने राज्य के कई प्रमुख नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया है। जहां कुछ नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है, वहीं कुछ की सुरक्षा घटा दी गई है। जबकि बिहार के कुछ नेताओं की सुरक्षा हटा ली गयी है। सरकार ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की सुरक्षा बढ़ाते हुए उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। इसके साथ ही जेडीयू सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, बीजेपी सांसद संजय सरावगी और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को भी जेडे कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। वहीं दूसरी ओर,

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव की सुरक्षा में कटौती की गई है। अब उन्हें वाई + श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। इसके अलावा केंद्र सरकार में मंत्री गिरिराज सिंह की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। गिरिराज सिंह को की जगह जेड + की सुरक्षा दी गयी है। वही कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी एवं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की सुरक्षा हटा ली गयी है। सुरक्षा व्यवस्था में किए गए इन बदलावों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। बता दें कि हमारे देश में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, नौकरशाह, पूर्व नौकरशाह, जज, क्रिकेटर, एक्टर, एक्ट्रेस, संत-महात्मा और कभी-कभी आमजन को खतरे को देखते हुए उच्च श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाती है। देश में 5 तरह की सुरक्षा कैटेगरी बनी हुई है। जेड+,जेड, वाई +वाई, और एक्स कैटेगरी है। जेड श्रेणी सिक्योरिटी हाईलेवल की सिक्योरिटी है, इसमें 22 कर्मियों का सिक्योरिटी कवर होता है, जिसमें 4 या फिर 6 एनएसजी कमांडों + पुलिस कर्मी शामिल होते हैं। इसके अलावे इस कैटेगरी की सुरक्षा में पुलिस या आईटीबीपी या सीआरपीएफ जवान शामिल होते हैं। ज्यादातर राज्यों के मुख्यमंत्रियों को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। जिस व्यक्ति को यह सुरक्षा दी जाती है, उसके साथ जवानों और सुरक्षा वाहन का काफिला होता है, जो बेहद खचीर्ला होता है। इन सुरक्षा घेरों को खर्च राज्य सरकार उठाती है। बाबा रामदेव, आमिर खान, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, तिब्बत के धार्मिक गुरु दलाई लामा को भी जेड कैटेगरी की सुरक्षा दी गयी है।

उदघाटन : जेपीएस इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल का 24 जनवरी को होगा भव्य शुभारंभ

केटी न्यूज/नवादा

जिला क्षेत्र के रजौली मुख्यालय के घसियाडीह स्थित जे.पी.एस इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल का 24 जनवरी को होगा भव्य उद्घाटन। जिसका शुभारंभ शनिवार को रजौली अनुमंडल पदाधिकारी स्वतंत्र कुमार सुमन एवं रजौली विधायक विमल राजवंशी रजौली नगर पंचायत मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद चंद्रवंशी के द्वारा फीता काट नवनिर्मित स्कूल भवन का उद्घाटन होगी। इस संदर्भ में स्कूल सदस्य स्वाति शुक्ला ने बताया कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की मजबूत नींव होती है स्कूल भवन के बन जाने से छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आगे बढ़ने

का अवसर प्राप्त होगा। वही जे.पी.एस इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल संस्थापक संतोष कुमार ने बताया कि हमारे विद्यालय के समस्त परिवार के द्वारा लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों जैसी शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना। ताकि प्रतिभाओं को बेहतर शिक्षा मिले विद्यालय के संस्थापक ने कहा कि 24 जनवरी को समय 1:00 बजे दोपहर में क्षेत्र के सभी लोगों को जे.पी.एस इंटरनेशनल इंग्लिश स्कूल के समस्त परिवार स्वागत करते है और उहोंने कहा कि नये भवन के निर्माण से स्कूल की शैक्षणिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी अब छात्रों को पढ़ाई के लिए बेहतर कक्षाएं,स्वच्छ परिसर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा।

बिहार में राशन कार्डधारकों पर सख्त कार्रवाई, 11,300 कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी। पटना

बिहार में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए राज्यभर में अपात्र राशन कार्डधारकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। केंद्र सरकार से प्राप्त डेटा के आधार पर राज्य के विभिन्न जिलों में समीक्षा के बाद लगभग 11,300 राशन कार्डधारकों की पहचान की गई है, जो निर्धारित मानकों के अनुसार पात्र नहीं पाए गए। इन सभी कार्डों को रद्द करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। केंद्र सरकार के निर्देश पर बिहार के बक्सर में राशन कार्डधारकों की सूची का क्रॉस-चेक किया गया। जांच में ऐसे कई लाभुक सामने आए, जो आयकरदाता, उच्च आय वर्ग, सरकारी कर्मचारी, जीएसटी रिटर्न फाइल करने वाले, चारपहिया वाहन मालिक, पीएम किसान योजना के लाभार्थी आदि हैं, फिर भी राशन कार्ड का लाभ ले रहे थे। अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा के आधार पर की जा रही है।

कहां कितने कार्ड रद्द होंगे?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अपात्र राशन कार्डों की संख्या इस प्रकार है,सदर प्रखंड: 1,840, नगर परिषद: 850,चौसा: 1,160, इटाढ़ी: 3,270, राजपुर: 4,110 कुल मिलाकर 11,300 से अधिक कार्ड रद्द किए जाने की प्रक्रिया जारी है।

पीडीएस में सुधार की दिशा में बड़ा कदम

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से राज्य में पीडीएस की विश्वसनीयता बढ़ेगी। अपात्र कार्डधारकों के हटने से सरकारी अनाज की उपलब्धता बढ़ेगी और वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक राशन पहुंचने की संभावना बढ़ेगी। केंद्र सरकार के डेटा के आधार पर लाभार्थियों की जांच से यह भी पता चला है कि कई ऐसे परिवार जिनकी आय निर्धारित सीमा से अधिक है या जो सरकारी सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं, वे भी राशन कार्ड का लाभ ले रहे थे।

आगे की प्रक्रिया क्या है?

राज्य के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को अपात्र लाभुकों की सूची तैयार कर कार्ड निरस्तीकरण की प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी करने का निर्देश दिया गया है। अगर किसी व्यक्ति को लगता है कि वह पात्र है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकता है। हालांकि, अपात्र पाए जाने पर कार्ड रद्द करने की कार्रवाई जारी रहेगी। बिहार में अपात्र राशन कार्डधारकों के खिलाफ यह अभियान सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने और वास्तविक जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। राज्यभर में चल रहे इस अभियान से उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में सरकारी योजनाओं में अनियमितताओं की संख्या में कमी आएगी और लाभार्थी केवल उन्हीं को मिलेगा जो वास्तव में पात्र हैं।

समृद्धि यात्रा के तहत मुजफ्फरपुर जिले के दौरे पर आएंगे सीएम

आज मुजफ्फरपुर आयेंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिले को देंगे 850 करोड़ की सौगात

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 23 जनवरी (शुक्रवार) को समृद्धि यात्रा के तहत मुजफ्फरपुर जिले के दौरे पर आएंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा ने गुरुवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार गुरुवार शाम तक मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की अंतिम तैयारियां भी पूरी कर ली जाएंगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुजफ्फरपुर बाजार समिति के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वे स्थानीय व्यवसायियों से संवाद भी कर सकते हैं। समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे और जिले को 850 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। इसके अलावा प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं की भी समीक्षा की जाएगी। कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि मुख्यमंत्री के जिले में आगमन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की इस यात्रा के दौरान जिले को 850 करोड़ से अधिक की योजनाओं की सौगात मिलेगी, जिससे विकास कार्यों को गति मिलेगी। साथ ही मुख्यमंत्री जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए ट्रैफिक व्यवस्था और रूट प्लान को लेकर सुरक्षा बलों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। शहर के सभी प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

जनसभा को संबोधित करेंगे सीएम

मुख्यमंत्री नई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के साथ एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन के अनुसार, मुख्यमंत्री अपनी पूर्व की 'प्रगति यात्रा' में घोषित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। इसके लिए सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक होगी, जिसमें 'सात निश्चय-2' और 'हर खेत तक पानी' जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की अद्यतन स्थिति जांची जाएगी। मुख्यमंत्री की 'समृद्धि यात्रा' का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे जनता तक पहुंचाना और जमीनी स्तर पर उनके क्रियान्वयन को देखना है। मुजफ्फरपुर के लिए 850 करोड़ की इन योजनाओं में मुख्य रूप से ग्रामीण सड़कें, स्वास्थ्य केंद्र, और शिक्षा से जुड़ी बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं। प्रशासन ने सीएम के आगमन को लेकर सड़कों की मरम्मत और बैरिकेडिंग का काम भी युद्ध स्तर पर पूरा किया है। इस दौरे को लेकर जिले के लोगों में काफी उत्साह है, क्योंकि 850 करोड़ की ये सौगातें मुजफ्फरपुर के विकास को एक नई गति प्रदान करेंगी। प्रशासन ने अपील की है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें और यातायात में बदलाव का सहयोग करें।

एक नजर

पटना के हथुआ हॉस्टल में 40 सुतली बम और पेट्रोल बरामद, पुलिस रेड में 7 छात्र गिरफ्तार

पटना । पटना में छात्र राजनीति और हॉस्टल कल्चर एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। राजधानी के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में स्थित पटना विश्वविद्यालय के छात्रावासों में मंगलवार रात हुई मारपीट, बमबाजी और फायरिंग की घटना के बाद बुधवार को पुलिस की सख्त कार्रवाई देखने को मिली। पुलिस की छापेमारी से पूरे छात्रावास इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान हथुआ हॉस्टल से भारी मात्रा में सुतली बम और बम बनाने की सामग्री बरामद की गई, जबकि सात छात्रों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। घटना की शुरूआत मंगलवार देर रात कृष्णा घाट के पास हुई। जानकारी के अनुसार, सीवी रमण हॉस्टल का छात्र प्रिंस कुमार एक युवती के साथ चाय पीने गया था। इसी दौरान जैक्सन हॉस्टल के कुछ छात्रों से छेड़खानी को लेकर विवाद हो गया। मामूली कहासुनी ने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, इस मारपीट में दो छात्र घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मारपीट की घटना के बाद मामला शांत होता दिखा, लेकिन देर रात हालात फिर से बिगड़ गए। आरोप है कि गुस्साए जैक्सन हॉस्टल के छात्रों ने बदले की नीयत से सीवी रमण हॉस्टल की ओर बम फेंके और गोलीबारी की। अचानक हुई इस बमबाजी और फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। छात्रावास के अंदर और आसपास रहने वाले लोग सहम गए, जबकि कई छात्र डर के कारण अपने कमरों से बाहर नहीं निकले। घटना की गंभीरता को देखते हुए पटना पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया। बुधवार सुबह डीएसपी राजकिशोर प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीम ने पीरबहोर और सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में स्थित पटना विश्वविद्यालय के कई छात्रावासों में छापेमारी की। इनमें जैक्सन हॉस्टल, सीवी रमण हॉस्टल, रामानुजन हॉस्टल और हथुआ हॉस्टल शामिल हैं।

पटना NEET छात्रा मौत मामला: एसआईटी जांच तेज, जहानाबाद में मिला अहम सुराग

पटना। पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में रहकर NEET की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में एसआईटी की जांच तेज हो गई है। जांच की कड़ियों को जोड़ते हुए एसआईटी की टीम एक बार फिर जहानाबाद पहुंची, जहां छानबीन के दौरान टीम को एक अहम सुराग मिलने की बात सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, जांच के क्रम में एसआईटी ने एक मेडिकल दुकानदार से पूछताछ की है। इस पूछताछ से छात्रा से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि टीम छात्रा की गतिविधियों, इलाज और दवाओं से जुड़े सभी पहलुओं को गहनता से खंगाल रही है। एसआईटी अब यह जानने का प्रयास कर रही है कि छात्रा ने किन परिस्थितियों में दवाइयों का सेवन किया और क्या इनका उसकी मौत से कोई सीधा या अप्रत्यक्ष संबंध है। मामले की जांच हर एंगल से की जा रही है और जल्द ही बड़े खुलासे की संभावना जताई जा रही है। हालांकि दवा दुकानदार का कहना है कि कुछ लोग आए थे, उन्हें हम ठीक से पहचान नहीं पाये। उन्होंने हमसे कहा कि मुझे आपका कैमरा चेक करना है। हमने कहा कि आप चेक कर सकते हैं। जिसके बाद कैमरा चेक करने लगे। कैमरा का हार्ड डिस्क फुल मिला जिसके बाद उन्होंने कैमरा को ठीक करने की सलाही दी। कहा कि आगे आप सहयोग करेंगे? दवा दुकानदार ने कहा कि कैमरा ठीक से नहीं चल रहा था, इसे बनाने के लिए हम मिस्त्री से कहे हुए थे, वो कहा कि जब फुरसत मिलेगा तब सीसीटीवी देख लेंगे।

सीवान में सीएम नीतीश कुमार आगमन के बीच धमाका पटाखा ब्लास्ट से एक युवक की मौत, मची अफरातफरी

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम स्थल से कुछ ही दूरी पर जोरदार धमाके से इलाके में हड़कंप मच गया। इस धमाके में कई लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई। धमाका इतना ते ज था कि इसकी आवाज लगभग दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।यह विस्फोट मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल से करीब 7 किलोमीटर दूर हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बादराम गांव में हुआ। घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई, जिसका शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। मृतक की पहचान बादराम गांव निवासी मुतुर्जा अंसारी के रूप में की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बादराम गांव के एक घर में अवैध रूप से पटाखा बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक विस्फोट हो गया, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को सील कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और विस्फोट के वास्तविक कारणों के साथ-साथ इसमें किसी अन्य की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

दरोगा भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा का खुलासा, मुन्ना भाई समेत चार गिरफ्तार, महिला निकली मास्टरमाइंड

एजेंसी। पटना

बिहार के शेखपुरा में दरोगा भर्ती परीक्षा के दौरान एक बार फिर बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। पुलिस ने दूसरे अभ्यर्थी के बदले परीक्षा दे रहे एक ह्यमुन्ना भाईह्न समेत तीन लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे गिरोह की मास्टरमाइंड एक महिला बताई जा रही है, जो नालंदा जिले की रहने वाली है। दरअसल मामला शेखपुरा शहर स्थित डीएम प्लस टू उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र का है, जहां परीक्षा के दौरान ड्यूटी पर तैनात वीक्षक के सूचना के आधार पर टाउन थाने की पुलिस ने जब जांच किया तो दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा एक युवक पकड़ा गया। जिसका पहचान कुंदन कुमार, निवासी बेलसर गांव, नूरसराय थाना क्षेत्र (नालंदा) के रूप में हुई। एएसपी डॉ राकेश कुमार ने बताया कि आगे जांच में सामने आया कि कुंदन को परीक्षा दिलाने में दो अन्य लोग भी सहयोग कर रहे थे, जिन्हें परीक्षा केंद्र के बाहर से गिरफ्तार किया गया। इनमें 32 वर्षीय सोनल कुमारी शामिल है, जिसे इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। सोनल कुमारी बिहारशरीफ के खंदकपर मोहल्ले की रहने वाली है। इसके अलावा राजीव कुमार (सैदी गांव, नूरसराय) को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के द्वारा आरोपियों से पूछताछ में यह भी पता चला है कि पूरा सेटलमेंट 8 लाख में तय किया गया था ।पुलिस ने सोनल कुमारी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। जांच के दौरान व्हाट्सएप चैट में दर्जनों अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड और कई परीक्षाओं से जुड़े डिजिटल सबूत बरामद हुए हैं। आशंका है कि यह गिरोह केवल दरोगा भर्ती परीक्षा ही नहीं, बल्कि अन्य परीक्षाओं में भी फर्जीवाड़ा कर रहा था।

पटना को स्वच्छ बनाने की नई पहल, हर वार्ड से चुने जाएंगे नगर मित्र, वीएमडी पर मिलेगी पहचान

एजेंसी। पटना

पटना को देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में शामिल करने के लिए नगर निगम लगातार नए और प्रभावी प्रयोग कर रहा है। इसी कड़ी में अब एक अनोखी पहल की शुरूआत की गई है, जिसका नाम है ह्यनगर मित्रह्न। पहले गंदगी फैलाने वालों को ह्यनगर शत्रुह्न के रूप में चिह्नित कर उनकी तस्वीरें सार्वजनिक की गईं, और अब स्वच्छता के लिए काम करने वाले जिम्मेदार नागरिकों को सामने लाकर उन्हें सम्मानित करने की तैयारी है। यह पहल न सिर्फ सफाई व्यवस्था को मजबूत करेगी, बल्कि आम लोगों को भी शहर की स्वच्छता मुहिम से सीधे जोड़ेगी। नगर निगम का मानना है कि किसी भी शहर को साफ रखने के लिए सिर्फ सरकारी तंत्र काफी नहीं होता, बल्कि इसके लिए नागरिकों की भागीदारी सबसे अहम होती है। इसी सोच के तहत हर वार्ड से एक-एक ह्यनगर मित्रह्न चुना जाएगा। ये नगर मित्र कोई सरकारी कर्मचारी नहीं होंगे, बल्कि उसी मोहल्ले के ऐसे जागरूक नागरिक होंगे, जो अपने आसपास की सफाई को लेकर पहले से ही संवेदनशील और सक्रिय हैं।नगर मित्र की सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपने घर के आसपास की गली, सड़क, नाली और सार्वजनिक स्थलों पर नजर रखना होगा। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति खुले में कचरा न फेंके। इसके साथ ही वे लोगों को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में सहयोग करने और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करेंगे।नगर मित्र लोगों को सिर्फ टोकने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि संवाद के जरिए उन्हें समझाएंगे कि स्वच्छता से न केवल शहर सुंदर बनता है, बल्कि बीमारियों से भी बचाव होता है। पटना नगर निगम ने हाल ही में गंदगी फैलाने वाले करीब 2000 लोगों को ह्यनगर शत्रुह्न के रूप में चिह्नित किया था।

बिहार में ठंड और कोहरे से राहत, अगले एक हफ्ते मौसम रहेगा साफ

एजेंसी। पटना

बिहार में पिछले कुछ हफ्तों से जारी कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का दौर अब समाप्त हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अब धीरे-धीरे मौसम में सुधार देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने और पछुआ हवाओं की सक्रियता कम होने से बिहार के मौसम में यह बदलाव आया है। इसका सीधा असर तापमान पर पड़ रहा है और आने वाले दिनों में लोगों को ठंड से बड़ी राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के मुताबिक, बिहार में अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ रहेगा। आसमान में बादल छाए रहने की संभावना बहुत कम है और दिन के समय तेज धूप खिलने की उम्मीद है। धूप निकलने से अधिकतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। जहां पिछले दिनों अधिकतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, वहीं अब यह बढ़कर 22 से 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। रात के तापमान में भी अब गिरावट का सिलसिला थम गया है। न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे रातें पहले के मुकाबले कम ठंडी रहेंगी। हालांकि सुबह और देर रात हल्की ठंड का अहसास बना रह सकता है, लेकिन शीतलहर जैसी स्थिति की कोई आशंका नहीं है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि 27 जनवरी तक राज्य के किसी भी हिस्से में शीतलहर या घने कोहरे की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।कोहरे की बात करें तो, बिहार के कई जिलों में सुबह के समय घना कोहरा आम लोगों की परेशानी बढ़ा रहा था। खासकर सड़क और रेल यातायात पर इसका बुरा असर पड़ा था। कई ट्रेनों के परिचालन में देरी हुई और दृश्यता कम होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया था। लेकिन अब कोहरे की तीव्रता में काफी कमी आई है। अगले कुछ दिनों तक केवल हल्का कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है, जिससे जनजीवन सामान्य रूप से चलता रहेगा।कृषि क्षेत्र के लिए यह मौसम बदलाव राहत भरा साबित हो सकता है। रबी फसलों के लिए पर्याप्त धूप बेहद जरूरी होती है और अब मौसम साफ रहने से फसलों की बढ़वार में तेजी आएगी। गेहूं, सरसों और चना जैसी फसलों को इस समय धूप का लाभ मिलेगा। साथ ही अत्यधिक ठंड और पाले का खतरा टलने से किसानों की चिंता भी कम हुई है।स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह बदलाव सकारात्मक माना जा रहा है। अत्यधिक ठंड और कोहरे के कारण सर्दी, खांसी, बुखार और सांस संबंधी बीमारियों के मामलों में इजाफा देखा जा रहा था। अब मौसम सामान्य होने से इन समस्याओं में भी कमी आने की उम्मीद है। हालांकि डॉक्टरों की सलाह है कि सुबह-शाम हल्की ठंड को देखते हुए बुजुर्गों और बच्चों को सावधानी बरतनी चाहिए। कुल मिलाकर, बिहार में मौसम अब धीरे-धीरे सुहावना होता जा रहा है। दिन में गुनगुनी धूप और रात में हल्की ठंड का मेल लोगों को राहत देगा। 27 जनवरी तक मौसम के साफ रहने और तापमान में बढ़ोतरी के संकेत हैं, जिससे ठंड और कोहरे की मार झेल रहे बिहारवासियों को सुकून मिलेगा।

छत्तीसगढ़ स्टील प्लांट हादसे में बिहार के 6 मजदूरों की मौत

एजेंसी। पटना

देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले औद्योगिक हादसों में बिहार के मजदूरों की मौत की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। गुरुवार को एक बार फिर ऐसा ही दर्दनाक मंजर देखने को मिला, जब छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार स्थित एक स्टील प्लांट में हुए भीषण हादसे में बिहार के छह मजदूरों की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, बलौदाबाजार के स्टील प्लांट में कोयला भट्ठे में अचानक विस्फोट हो गया। इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी मजदूर बिहार के गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गोटीबांध गांव के निवासी थे। मृतकों की पहचान श्रवण कुमार (22), राजदेव कुमार (22), जितेंद्र (37), बदरी भुइयां (42), विनय भुइयां (40) और सुंदर भुइयां (40) के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही गया में उनके परिवारों में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हादसे में गया जिले के ही कल्पू भुइयां (44) और रामू भुइयां (34) गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। इसके अलावा झारखंड के तीन मजदूर-शबीर अंसारी (34), मुमताज अंसारी (26) और शराफत अंसारी (32)-भी इस दुर्घटना में घायल हुए हैं।